प्रपत्र–26

परियोजना का नामः– जनपद रूद्रप्रयाग के चोपता (तल्लानागपुर) में राजकीय पालीटेक्निक चोपता की स्थापना हेतु 100 नाली अर्थात 2 है० सिविल भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

भू–वैज्ञानिक की आख्या

भू वैज्ञानिक रिपोर्ट संलग्न है।

ह0 /
भू–वैज्ञानिक

नोट :–प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा भू–वैज्ञानिक की आख्या प्राप्त कर प्रस्ताव के साथ संलग्न की जायेगी।

प्रपत्र–27

परियोजना का नामः– जनपद रूद्रप्रयाग के चोपता (तल्लानागपुर) में राजकीय पालीटेक्निक चोपता की स्थापना हेतु 100 नाली अर्थात 2 है० सिविल भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

भू–वैज्ञानिक की संस्तुतियों / सुझावों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि विषयगत परियोजना के निर्माण हेतु भू–वैज्ञानिक द्वारा दिये गये सुझावों / संस्तुतियों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

ह0 / –
(प्रयोक्ता एजेन्सी)
प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक चोपता
(रूद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

नोट :–प्रयोक्ता एजेन्सी के द्वारा उक्त प्रमाण–पत्र भू–वैज्ञानिक की आख्या के आधार पर प्रस्ताव के साथ संलग्न की जायेगी।

92

कार्यालय भूवैज्ञानिक
जिला टास्क फोर्स, चमोली / रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार),
गोपेश्वर।

ADM(RR)
OC/LAC
Raghav
D.M.
29-01-2014

सेवा में,

जिलाधिकारी,
रूद्रप्रयाग।

पत्रांक: 39 / जि0टा0फो0 / भवन / 2013-14 दिनांक 07 जनवरी 2014
विषय: जनपद रूद्रप्रयाग के भवन निर्माण स्थलों की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या प्रेषण के सम्बन्ध मे।

महोदय,

उपरोक्त विषयक व निम्न भवन निर्माण स्थलो हेतु आपके पत्र संख्या 876 / [illegible] 7 / 26 दिनांक 20.09.2013, व पत्र संख्या [illegible] 7 / 27 01 (2013-14) दिनांक [illegible].10.2013 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो कि भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स चमोली / रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) को सम्बोधित है। जिसके द्वारा उपरोक्त स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के अनुपालन मे अधोहस्ताक्षरी भूवैज्ञानिक जिला टास्क फोर्स, चमोली / रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) व श्री जितेन्द्र सिंह, भूवैज्ञानिक सहायक, द्वारा उपरोक्त स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण क्रमशः दिनांक 29.10.2013, 30.10.2013 व 16.10.2013 को सम्पन्न किया गया। भूगर्भीय निरीक्षण आख्या आपके सुलभ संदर्भार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

1. गौरीकुण्ड में पुलिस चौकी हेतु प्रस्तावित स्थल।
2. ग्राम कुण्डा दानकोट (बिनकुला तोक) में पालिटेक्निक भवन हेतु प्रस्तावित स्थल।
3. ग्राम [illegible] इण्टर कॉलेज [illegible] हेतु प्रस्तावित स्थल।

संलग्नक: उपरोक्तानुसार।

भवदीय,
(हस्ताक्षर)
भूवैज्ञानिक

पृष्ठांकन / जि0टा0फो0, भवन / 2013-14, तद्दिनांकित।
प्रतिलिपि: संयुक्त निदेशक / कार्यालयाध्यक्ष, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।

भूवैज्ञानिक

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक चोपता
(रुद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

जनपद व तहसील रूद्रप्रयाग के ग्राम कुण्डा दानकोट (बिनकुला/बगड़वालधार तोक) मे पॉलिटेक्निक कॉलेज के भवनों के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड देहरादून के कार्यालय आदेश संख्या 835/आपदा/स0नि0/भू0खनि0ई0/2012–13, दिनांक 18 जुलाई, 2013 तथा जिलाधिकारी/अपर जिलाधिकारी, रूद्रप्रयाग के पत्र संख्या 3578/41–01 (पार्ट–02), दिनांक रूद्रप्रयाग 30 जुलाई, 2013, जो कि भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स, चमोली/रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) को सम्बोधित है तथा जिसके द्वारा उपरोक्त स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के अनुपालन मे जनपद व तहसील रूद्रप्रयाग के ग्राम कुण्डा दानकोट (बिनकुला/बगड़वालधार तोक) मे पॉलिटेक्निक कॉलेज के भवनों के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि का भूगर्भीय निरीक्षणं श्री वाई0 एस0 सजवान, भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स, चमोली/रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) व जिला टास्क फोर्स, पौड़ी गढ़वाल व श्री जितेन्द्र सिंह रावत, भूवैज्ञानिक सहायक द्वारा श्री नरेन्द्र सिंह रावत, राजस्व उपनिरीक्षक अनुसेवक क्षेत्र चोपता, श्री प्रताप सिंह, ग्राम प्रधान की उपस्थिति मे दिनांक 29.10.2013 को सम्पन्न किया गया। भूगर्भीय निरीक्षण आख्या निम्नवत है :–

पहुॅच :

प्रश्नगत स्थल ग्राम कुण्डा दानकोट का बिनकुला/बगड़वाधार तोक, रूद्रप्रयाग–चोपता मोटर मार्ग पर रूद्रप्रयाग से चोपता 20 कि0मी0 तथा चोपता से चोपता–स्वारी ग्वांस कच्चे मोटर मार्ग पर, चोपता से लगभग 03 कि0मी0 की दूरी पर मोटर मार्ग के डाउनस्लोप/उत्तर दिशा व अपस्लोप/दक्षिणपश्चिम दिशा मे अवसिथत है।

प्रस्तावित स्थल उत्तराखण्ड सरकार की भूमि व खसरा संख्या 3308 मे 1.332 है0 व खसरा संख्या 3319 मध्ये कुल 4.364 है0 भूमि प्रस्तावित है।

अवस्थिति :

प्रस्तावित स्थल स्वांरी ग्वांस मोटर मार्ग के अपस्लोप/दक्षिणपश्चिम व डाउनस्लोप/उत्तरपूरब दिशा मे बंजर भूभाग के रूप मे अवस्थित है। स्थल के डाउनस्लोप/उत्तरपूरब दिशा मे सीढ़ीनुमा कृषि भूमि, कुण्डा दानकोट पैदल मार्ग व पानी की होज/भण्डारण टैंक अवस्थित है। मोटर मार्ग के अपस्लोप रिज मे दो पानी की टंकी पूर्व से ही निर्मित है।

प्रस्तावित स्थल के लगभग मध्य भाग मे मोटर मार्ग अवस्थित है। मोटर मार्ग के अपस्लोप/दक्षिणपूरब दिशा मे पाइन्स प्रजाति के वृक्षों का मध्यम सघन वन दृष्टिगोचर होता है। स्थल मे कतिपय पाइन्स, सिल्वर ऑक व अन्य मध्यम से अधिक ऊॅचाई पर उगने वाली प्रजाति के वृक्ष दृष्टिगोचर होते हैं। स्थल के दक्षिणपश्चिम दिशा मे कुण्डा दानकोट ग्राम व मोटर मार्ग अवस्थित है।

भूगर्भीय स्थिति :

प्रश्नगत स्थल ऊपरी ढाल से स्खलित व स्थल पर अपयक्षित अधोभूमि चट्टानें पुराने संगठित मलवे पर अवस्थित हैं। स्थल के अपस्लोप/दक्षिण दिशा मे एक रिज अवस्थित है। रिज के उत्तरी फ्लैंक का सामान्य पहाड़ी ढाल 35^0–40^0 उत्तरपूरब दिशा की ओर है। रिज

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक चोपता
(रुद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

के दक्षिण दिशा मे ऊर्ध्वाधर ढाल एस्कार्पमेन्ट विद्यमान है, जहॉ विभिन्न प्रजाति के वृक्षों व पोधों का आंशिक सघन वन व उसके डाउनस्लोप मे मोटर मार्ग व आवासीय भवन दृष्टिगोचर होते हैं। प्रस्तावित पॉलीटेक्निक भवन निर्माण स्थल मोटर मार्ग के अपस्लोप व डाउनस्लोप मे अवस्थित है, जहॉ स्थल मे कतिपय चीड़ प्रजाति के वृक्ष विद्यमान हैं।

प्रश्नगत स्थल मे सिल्वर ऑक के वृक्षों के कारण स्थल की मृदा मे नमी दृष्टिगोचर होती है। मोटर मार्ग कटाव व रिज सतह मे स्वस्थानें चट्टानें दृष्टिगोचर होती है। स्थल मे मुख्यतः भूरी, गहरी भूरी व कतिपय स्थलों पर हल्की लाल रंग की मृदा दृष्टिगोचर होती है। स्थल के अपस्लोप रिज मे जल वितरक दो टंकी पूर्व से निर्मित है व मोटर मार्ग के डाउनस्लोप मे भी पानी की होज (वाटर टैंक) निर्मित है जिनसे वर्तमान मे कोई जल रिसाव दृष्टिगोचर नही हो रहा है। स्थल मे किसी प्रकार का कोई प्राकृतिक व अधोभूमि जल स्रोत दृष्टिगोचर नही होता है।

भूगर्भीय संरचना :

प्रस्तावित स्थल मे स्वस्थानें चट्टानें पहाड़ी ढाल सतहों पर दृष्टिगोचर होती हैं। स्थल के मध्य से गुजरने वाले मोटर मार्ग पर हरी भूरी, दृढ़ व मध्यम कमजोर शिष्ट प्रकृति की चट्टानें अवस्थित हैं जो कि कतिपय स्थलों पर अत्यधिक वेदर्ड अवस्था मे हैं। स्थल पर शिष्ट प्रकृति की कमजोर चट्टानें अवस्थित हैं जो कि पतली परतों व टुकड़ों मे अपरदित हो रही हैं। स्वस्थानें चट्टानों के प्रसार की दिशा उत्तर 345^0 व नतिमान 35^0 उत्तर 70^0 दिशा मे आंका गया। स्थल की स्वस्थानें चट्टानों की नतिमान की दिशा स्थल के ढाल की सुरक्षा के प्रतिकूल दृष्टिगोचर होती है। अतः स्थल की चट्टोनों के फोलियेशन बेडिंग सतहों के सापेक्ष चट्टाने खिसक सकती हैं। स्थल मे किसी प्रकार की भूसंरचना वलन भ्रंश आदि दृष्टिगोचर नही हो रहे हैं।

स्थल की स्वस्थानें चट्टानें भूगर्भीय साहित्य मे रामगढ़ समूह की चट्टानों के समकक्ष वर्गीकृत की गयी हैं। उक्त स्थल भारतीय सीजमिक मानचित्र मे मध्य हिमालयी पर्वत श्रेणियों के सक्रिय भूकम्पीय जोन–V मे अवस्थित है अतः लघु व मध्यम तथा यदाकदा अधिक तीव्रता के भूकम्पन्नों से स्थल सदैव प्रभावित हो सकता है।

शर्तें एवं सुझाव :

1. स्थल, वन भूमि होने की दशा में, माननीय उच्चतम न्यायालय के वन संरक्षण अधिनियम–1980 तथा पर्यावरण व पारिस्थितिकी अधिनियम–1986 के अनुरूप वन व संबन्धित विभागों से समुचित अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया जाय।
2. मुख्य रिज स्थल के दक्षिणपश्चिम दिशा में लगभग 06–07 मीटर सुरक्षित बफर जोन रिक्त छोड़ना अति आवश्यक होगा। मात्र रिज के उत्तरी फ्लैंक के पहाड़ी ढाल पर ही निर्माण कार्य किया जाय।
3. स्थल के मध्य अवस्थित चोपता–स्वारी ग्वांस मोटर मार्ग को पक्की, पर्याप्त वीप होल्स व स्क्रीनिंग मटिरियलयुक्त धारक दीवारों (रिटेनिंग व ब्रेसवाल) से सुरक्षित किया जाय। धारक दीवारों का आधार स्वस्थानें चट्टानों अथवा पर्याप्त गहराई मे भूकम्परोधी तकनीक व भूअभियांत्रिकी मानकों मे सेफ्टी फेक्टर्स का समाकलन कर रखा जाय।

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक चोपता
(रुद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

4. मोटर मार्ग से 05–06 मीटर अपस्लोप व डाउनस्लोप दोनों ओर रोड़ बाइन्डिंग के अनुसार रिक्त स्थल छोड़कर ही निर्माण कार्य किया जाय। अतः भवन निर्माण हेतु स्थल के क्षेत्रफल में कमी आ सकती है।
5. स्थल पर भवनों की सुरक्षा हेतु निर्माण कार्य एक मंजिला सीढ़ीनुमा सोपानों मे ही किया जाय।
6. रिज स्थल के अपस्लोप मे अवस्थित जल भण्डारण/वितरक टैंक के सीपेज से स्थल को पूर्णरूप से सुरक्षित किया जाय जिससे स्थल मे अधोभूमि जल रिसाव न हो सके। जल वितरक टैंक से निकलने वाले नलों के वाटर सीपेज से स्थल सुरक्षा हेतु नलों को स्थल से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर स्थानान्तरित किया जाय जिससे नलों के लीकेज से स्थल की मृदा मे नमी आने से मृदा की भार वहन क्षमता प्रभावित न हो सके।
7. स्थल के मध्य मे अवस्थित मोटर मार्ग के अन्दरूनी पहाड़ी ढाल के किनारे बरसाती जल की निकासी हेतु पक्की अधिकतम विमा वाली रैखिक नाली का निर्माण किया जाय। नाली का आधार पर्याप्त गहराई मे रखा जाय। नाली का निर्माण इस प्रकार किया जाय जिससे सम्पूर्ण बरसाती जल नाली के द्वारा सुरक्षित स्थान पर निस्तारित किया जा सके।
8. स्थल मे निर्माण कार्य से पूर्व स्थल की मृदा व चट्टानों की भार वहन क्षमता का आंकलन किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से करवाकर भार वहन क्षमता मे सेफ्टी फेक्टर का समाकलन कर ही निर्माण कार्य किया जाना उचित होगा।
9. स्थल पर भवन निर्माण एक मंजिला सीढ़ीनुमा ही सुरक्षित होगा।
10. मोटर मार्ग के नीचे व ऊपर रिटेनिंग व ब्रेसवाल, पर्याप्त वीप होल्स व स्क्रीनिंग मटिरियलयुक्त भूकम्परोधी तकनीक से सेफ्टी फेक्टर्स के समाकलन के उपरान्त किया जाय।
11. भवनों के परिसरों, पिछवाड़े व बगलों को पक्का करना आवश्यक होगा ताकि सतही जल अधोभूमि मे कम से कम रिस सके।
12. सम्पूर्ण क्षेत्र मे वृहद वृक्षारोपण, स्थल की मृदा व अपयक्षित चट्टानों के अपरदन को रोकने मे सहायक होगा।

प्रस्तावित स्थल पर एकत्रित किये गये सतही आंकड़ों, भूआकृति, भूप्रकृति एवं भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से उपरोक्त सुझाव व शर्तों के साथ दैवीय आपदा को छोड़कर स्थल पर उपरोक्त सुझाव व शर्तों पर विचार करने के उपरान्त ही सुरक्षित होगा।

(जितेन्द्र सिंह)
भूवैज्ञानिक सहायक

(वाई0एस0 सजवान)
भूवैज्ञानिक

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक चोपता
(रुद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

कार्यालय भूवैज्ञानिक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
जिला टास्क फोर्स, चमोली एवं रूद्रप्रयाग, मुख्यालय गोपेश्वर

सेवा में,

प्रधानाचार्य,
राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज,
चोपता (रूद्रप्रयाग)।

पत्रांक 463 /जि0टा0फो0/भवन/2014–15 दिनांक 5 फरवरी 2015

विषयः **जनपद व तहसील रूद्रप्रयाग के ग्राम कुण्डा दानकोट मे पॉलिटेक्निक कॉलेज के भवनों के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक पत्र संख्या 46/स्था0/नवसृजित पालीटेक्निक/2014–15, दिनांक 22.12.2014, का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो कि जिलाधिकारी, रूद्रप्रयाग को सम्बोधित व भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स, चमोली/रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) एवं निदेशक, प्राविधिक शिक्षा श्रीनगर (गढ़वाल) को पृष्ठांकित है तथा उक्त पत्र पर जिलाधिकारी महोदय, रूद्रप्रयाग के टिप्पणी आदेश संख्या मैमो/27–पॉ0लि0/27–1 (13–14), दिनांक 02.01.2015, जिसके द्वारा उपरोक्त स्थल की भूगर्भीय सर्वेक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के क्रम मे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपरोक्त स्थल का भूगर्भीय सर्वेक्षण सम्पन्न कर भूगर्भीय सर्वेक्षण आख्या आपके सुलभ संदर्भार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

संलग्न : उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

5/2/15

सहायक भूवैज्ञानिक/
प्रभारी अधिकारी।

पृष्ठांकः /जि0टा0फो0/भवन/2014–15, तद्दिनांकित।
प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित।

1. जिलाधिकारी महोदय, रूद्रप्रयाग।
2. संयुक्त निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक चोपता
(रुद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

सहायक भूवैज्ञानिक/
प्रभारी अधिकारी।

नि0आ0सं0–463/जि0टा0फो0 च0/रू0/भवन/2014–15

जनपद व तहसील रूद्रप्रयाग के ग्राम कुण्डा दानकोट मे पॉलिटेक्निक कॉलेज के भवनों के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

प्रधानाचार्य, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज चोपता (रूद्रप्रयाग) के पत्र संख्या 46/स्था0/नवसृजित पालीटेक्निक/2014–15, दिनांक 22.12.2014, जो कि जिलाधिकारी, रूद्रप्रयाग को सम्बोधित व भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स, चमोली/रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) एवं निदेशक, प्राविधिक शिक्षा श्रीनगर (गढ़वाल) को पृष्ठांकित है तथा उक्त पत्र पर जिलाधिकारी महोदय, रूद्रप्रयाग के टिप्पणी आदेश संख्या मैमो/27–पॉ0लि0/27–1 (13–14), दिनांक 02.01.2015, जिसके द्वारा जनपद व तहसील रूद्रप्रयाग के ग्राम कुण्डा दानकोट मे पॉलिटेक्निक कॉलेज के भवनों के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के अनुपालन मे उक्त प्रस्तावित स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण अधोहस्ताक्षरी द्वारा श्री ए0के0एस0 गौड़, प्रधानाचार्य, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज चोपता (रूद्रप्रयाग) व श्री लक्ष्मी प्रसाद मैठाणी, राजस्व उपनिरीक्षक चोपता की उपस्थिति मे सम्पन्न किया गया। भूगर्भीय निरीक्षण आख्या निम्नवत है :–

पहुँच :

प्रश्नगत स्थल ग्राम कुण्डा दानकोट, रूद्रप्रयाग–चोपता मोटर मार्ग पर रूद्रप्रयाग से चोपता 20 कि0मी0 तथा चोपता से चोपता–स्वारी ग्वांस मोटर मार्ग पर, चोपता से लगभग 04 कि0मी0 की दूरी पर मोटर मार्ग के डाउनस्लोप/उत्तरपूरब से नीचे कच्चे मोटर मार्ग पर लगभग 500 मीटर से 100 मीटर पैदल मार्ग के द्वारा जुड़ा हुआ भूभाग है। प्रस्तावित खसरा संख्या 4059 वर्तमान समय मे लगभग अर्द्वसमतल भूभाग के रूप मे विद्यमान हैं।

प्रस्तावित स्थल उत्तराखण्ड सरकार की भूमि व खसरा संख्या 4059 भूमि प्रस्तावित है। उक्त के साथ पूर्व मे प्रेषित भूगर्भीय निरीक्षण आख्या मे उल्लिखित खसरा संख्या 3308 मे 1.332 है0 व खसरा संख्या 3319 मध्ये कुल 4.364 है0 भूमि की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या प्रेषित की गयी थी जिसमें खसरा संख्या 4158, खसरा संख्या 3319 से लगा हुआ भूभाग है। अतः खसरा संख्या 4158 के अनुसार खसरा संख्या 3319 पूर्व की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या मे दिये गये सुझाव एवं शर्तों के साथ भवन निर्माण हेतु विचार किया जाय।

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक
(रूद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

अवस्थिति :

प्रस्तावित स्थल स्वांरी ग्वांस मोटर मार्ग के डाउनस्लोप/उत्तरपूरब दिशा मे बंजर भूभाग के रूप मे अवस्थित है। स्थल के डाउनस्लोप/उत्तरपूरब दिशा मे घना वन क्षेत्र अवस्थित है। स्थल के उत्तर मे स्थानीय प्रजाति का घना वन क्षेत्र, दक्षिण मे, चकबन्दी दीवार, पूरब मे पहाड़ी ढालयुक्त लगभग 25^0 पूरब फेसिंग क्षेत्र तथा पश्चिम मे ग्रामीणों के सीढ़ीनुमा कृषियुक्त खेत अवस्थित हैं।

भूगर्भीय स्थिति :

प्रश्नगत स्थल पर अपयक्षित अधोभूमि चट्टानें पुराने संगठित मलवे पर अवस्थित हैं। स्थल के अपस्लोप व डाउनस्लोप मे विभिन्न प्रजाति के वृक्षों व पोधों का सघन वन व डाउनस्लोप मे बांज प्रजाति के वृक्षों का सघन वन क्षेत्र विद्यमान है।

स्थल मे सिल्वर ऑक के वृक्षों से स्थल की मृदा मे नमी दृष्टिगोचर होती है। मोटर मार्ग कटाव व रिज सतह मे स्वस्थानें चट्टानें दृष्टिगोचर होती हैं। स्थल मे मुख्यतः भूरी, गहरी भूरी व कतिपय स्थलों पर हल्की भूरी रंग की मृदा दृष्टिगोचर होती है। स्थल मे किसी प्रकार का कोई प्राकृतिक व अधोभूमि जल स्रोत दृष्टिगोचर नही होता है।

भूगर्भीय संरचना :

प्रस्तावित स्थल मे स्वस्थानें चट्टानें पहाड़ी ढाल सतह पर दृष्टिगोचर होती हैं। स्थल की सतह पर हरी भूरी, दृढ़ व मध्यम कमजोर शिष्ट प्रकृति की चट्टानें अवस्थित हैं जो कि कतिपय स्थलों पर अत्यधिक वेदर्ड अवस्था दृष्टिगोचर हो रही हैं। स्थल पर नाइसिस प्रकृति की कमजोर चट्टानें अवस्थित हैं जो कि पतली परतों व टुकड़ों मे अपरदित हो रही हैं। स्वस्थानें चट्टानों के प्रसार की दिशा उत्तर 345^0 व नतिमान 35^0 उत्तर 70^0 दिशा मे आंका गया। स्थल की स्वस्थानें चट्टानों की नतिमान की दिशा स्थल के ढाल की सुरक्षा के प्रतिकूल दृष्टिगोचर होती है।

स्थल की चट्टानें भूगर्भीय साहित्य मे रामगढ़ समूह की चट्टानों मे वर्गीकृत की गयी हैं। उक्त स्थल भारतीय सीजमिक मानचित्र मे मध्य हिमालयी पर्वत श्रेणियों के सक्रिय भूकम्पीय जोन–V मे अवस्थित है अतः लघु व मध्यम तथा यदाकदा अधिक तीव्रता के भूकम्पन्नों से स्थल सदैव प्रभावित हो सकता है।

उक्त स्थल पर भवन निर्माण हेतु निम्न शर्तों एवं सुझावों का पालन किया जाना आवश्यक होगा :

1. स्थल, वन भूमि होने की दशा में, माननीय उच्चतम न्यायालय के वन संरक्षण अधिनियम–1980 तथा पर्यावरण व पारिस्थितिकी अधिनियम–1986 के अनुरूप वन व संबन्धित विभागों से समुचित अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही निर्माण हेतु मान्य होगा।
2. स्थल पर भवनों की सुरक्षा हेतु निर्माण कार्य एक मंजिला सीढ़ीनुमा सोपानों मे ही किया जाय।
3. उत्तराखण्ड शासन द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों हेतु प्रख्यापित बिल्डिंग बाई लॉज में निहित सम्पूर्ण प्राविधानों के अनुरूप भवन निर्माण कार्य किया जाय।
4. भवन आधार, रिटेनिंग वाल व ब्रेसवाल के आधार को उचित गहराई मे ताजा दृढ़ स्वस्थानें चट्टानों मे रखकर अथवा उचित सिविल भूअभियांत्रिकी तकनीक के साथ स्थल पर निर्माण कार्य किया जाय।
5. भवन परिसर के सतही जल प्रवाह व अधोभूमि रिसाव को न्यून/कम करने के लिए समुचित प्रबन्ध व खुले परिसर को पक्का किया जाय।
6. सीवेज व सोकपिट से होने वाले जल रिसाव को नियन्त्रित करने के लिए सीवेज पिट को पक्का निर्मित किया जाय।
7. चूंकि स्थल हिमालयी पर्वत श्रेणियों के सक्रिय भूकम्पीय जोन–V मे अवस्थित है अतः भवन निर्माण करते समय अद्यतन नवविकसित भूकम्परोधी तकनीक से भवन निर्माण कार्य किया जाय।

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक
(रुद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड

8. स्थल के वर्तमान एंगिल ऑफ रिपोज को संरक्षित करते हुए निर्माण कार्य हेतु विचार किया जाय व साथ ही दक्षिणपूरब मे पहाड़ी ढाल पर कटाव न किया जाय।
9. भवन आधार की खुदायी के समय विस्फोटकों का प्रयोग वर्जनीय होगा ।
10. स्थल की भार ग्राह्यता क्षमता के अनुरूप किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्थल की भार ग्राह्यता क्षमता मे सेफ्टी फेक्टर के समाकलन के उपरान्त भवन आधार खुदाई व भवन डिजाइनिंग की जाय।
11. स्थल पर अनियोजित मानवीय कार्यकलाप से स्थल का वर्तमान एंगिल ऑफ रिपोज परिवर्तित न किया जाय।
12. चूंकि उक्त क्षेत्रान्तर्गत शीतकाल के दौरान स्थल यदाकदा हिमान्छादित हो जाता है अतः भवन छत को ढालदार निर्मित किया जाय।
13. स्थल के सतही एवं अधोभूमि जल रिसाव को कम करने के लिये स्थल के सतही जल प्रवाह को पक्की लीनियर नालियों द्वारा एकत्रित कर दूर किसी सुरक्षित स्थल मे छोड़ा जाय।

प्रस्तावित स्थल पर एकत्रित किये गये सतही आंकड़ों, भूआकृति, भूप्रकृति एवं भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से उपरोक्त सुझाव व शर्तों के साथ प्राकृतिक आपदाओं को छोड़कर स्थल वर्तमान परिस्थितियों मे एक मंजिला भवन निर्माण हेतु उपयुक्त समझा जाता है।

(अमित गौरव)
सहायक भूवैज्ञानिक

प्रधानाचार्य
राजकीय पालिटेक्निक चोपता
(रुद्रप्रयाग) उत्तराखण्ड